"गायन प्रतियोगिता"

आज हम सुर से सुर मिलायेंगे

संगीत के सातो सुर गुनगुनाएंगे

जिस से झूम उठे, मन की अंतर आत्मा

कुछ ऐसा सुर गाएं और गुनगुनाएंगे।।

झूठी दुनिया मे इंसान का एक साथी है झूठ

अच्छे कर्मों और बुरे कर्मों का साथ देता है झूठ

ईमानदार इंसानों ने भी बोला है झूठ

क्योंकि कभी कभी एक झूठ भी किसी इंसान का भला कर सकता है .........ऐसा है ये झूठ।।

छोटे थे तो बड़े होने का नाटक करतें थे

नाटक करते करते, कब बड़े हो गए, पता ही नहीं चला

अब यही नाटक हम दूसरे बच्चों को करता देखकर सोचते है

की कब वो बचपन लौट आये की फिर वो नाटक खेले हम।।

"रंगोली"

आओ मिलकर मधुर रंगों से NIT के आँगन को सजाएँ

सुन्दर-सुन्दर दृश्य बनाकर सबको मात दे जाएं।

नियम:- १. प्रत्येक टीम में केवल २ सदस्य होने चाहिए।

२. रंगोली का विषय रंगोली स्थान पर निर्धारित होगा।

"प्रेमपत्र"

"वो सिलसिले वो शौक वो गुरबत ना रही

फिर यु हुआ की दर्द मे शिद्दत ना रही।

हम भी बेबस रहे ना हमारी जुबां कह सकी,

पर आज भी ये कलम उनके नाम प्रेमपत्र लिख रही।।"

नियम:- १. केवल लिखित चरण के आधार पर विजेता घोषित होगा।

"आपकी संसद"

जब गुरू द्रोण का ज्ञानदीप राजमहल में जलता हो,

और सारा ज्ञान चंद टुकड़ो पर ही बिकता हो,

जब-जब कोई द्रोण एकलव्य का शक्ति बंधन करता है,

तब-तब हमारा भी 'आपकी संसद' में आग लगाने को मन करता है,

तब-तब हमारा मन भी एक नई संसद बनाने को करता है।

नियम:-

"मस्ती की पाठशाला"

"यदि आप हिन्दी व्याकरण के विद्वान हैं,

बालीवुड हालीवुड का आपको सम्पूर्ण ज्ञान है,

इशारों-ही-इशारों में महान है,

तो.....'मस्ती की पाठशाला'......आपके लिए बेमिशाल है।"

नियम:-

प्रथम चरण= दम शरास (damsharas)

१) प्रत्येक टीम में २-३ सदस्य होने चाहिए।

दुसरा चरण=२) मुहावरों पर आधारित प्रतियोगिता।

अंतिम चरण=३) (surprise round) अंतिम चरण का विषय प्रतियोगिता स्थल पर ही निश्चित किया जायेगा।